

10  $\frac{9}{24}$

पत्न्याली पंरु इही बळुतायु इण

बकील सप्रायें लि. नं जवळ न व्यार्ना

वे सायु हाबायज पंरु कियें सप्रायें लि. 2

बहमीनकाय पीपाड राहा नो जवळ

पंरु, कियें हे कि बकील पंरु नो

सामरिवायें शार्क (इधोमिलशार्क) र्क रातग

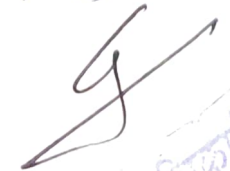
आह, गमा हे जा निममनुलय देम नसी हे

इया. पार्थन पत्र आहीन हीन वं खारिन

कियें जाय ही पत्न्याली पंरु सुभा

होका नंवा नो व्यु ही एव शरिन दळव ही

536/L  
क्याये, मिर  
उपि सुभा  
अहो इही  
क्याये, मिर  
उपि सुभा  
अहो इही  
उपि सुभा  
अहो इही

  
उपखण्ड अधिकारी  
पंरु सुभा